पहल: जनधन खातों का केवायसी, बीमा एवं पेंशन योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को दी गई जानकारी

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत डोंगीतराई ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डिजिटल धोखाधड़ी और निष्क्रिय खातों के प्रति किया जागरूक

रायगढ़. भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशों के अनुसार, 01 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है। जिसमें जिला प्रशासन के सहयोग से बैंकों द्वारा जिले के सभी 549 ग्राम पंचायतों में कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में जनधन एवं सभी निष्क्रिय खातों में केवायसी, जनधन खाता खोलना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन खाते खोलना, नामांकन का कार्य किया जाना है।

वित्तीय सेवा विभाग भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार बैंक खाते का पुनः केवाईसी समय-समय पर किया जाता है जिससे खाताधारक सुचारु रूप से अपने खाते का संचालन जारी रख सकें। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के रायगढ़ ब्लॉक के डोंगीतराई ग्राम पंचायत में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक अग्रणी बैंक कार्यालय द्वारा किया गया जिसमें क्षेत्र के सभी बैंक-भारतीय स्टेट बैंक खरसिया एवं कबीर चौक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक खरसिया, किरोड़ीमल, कुसमुरा एवं पुटकापुरी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र रायगढ़, आईसीआईसीआई-बैंक रायगढ़ एवं पंजाब नेशनल बैंक रायगढ़ शाखा ने भाग लिया।

रिजर्व बैंक महाप्रबंधक ने किया दौरा

भारतीय रिजर्व बैंक, रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक मनीष पाराशर ने इस शिविर का दौरा किया और अभियान के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों एवं लाभार्थियों से संवाद कर वित्तीय समावेशन के महत्व के बारे में जानकारी दी। शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक, एकीकृत योजना 2021, निष्क्रिय खाते, डिजिटल धोखाधड़ी, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं शासकीय ऋण योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

ये भी रहे उपस्थित

शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक, रायपुर के सहायक महाप्रबंधक दीपेश तिवारी, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक, धर्मेन्द्र रावत, छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक के आरएम प्रवीण कुमार केतकी, अग्रणी बैंक प्रबंधक कमल किशोर सिंह, नाबार्ड के डीडीएम एम बाड़ा, प्रबंधक वित्तीय समावेशन बसंत पुरती एवं दामोदर मिश्रा एवं सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं स्टाफ उपस्थित थे। शिविर के दौरान 251 जनधन खातों की केवाईसी हुई।